Best practices

सवोन्तम अभ्यास

सर्वोत्तम अभ्यास

विद्यार्थी ही देश का भविष्य बनाते है उन्हें
मार्गदर्शन और प्रेरणा देना बहुत आवश्यक
होता है। छात्राओं की आयु ऐसी होती है
कि यदि उन्हें समय रहते सही सीख व
शिक्षा न दी जाए तो वह बुरी संगत में
फंस सकते हैं। समय-समय पर उनके
कर्तव्यों के प्रति उन्हें जागरूक करते रहना
पड़ता है। इसीलिए हिन्दी कवियों के दोहों
एवं काव्यांशों को प्रतिदिन प्रर्दशन पट
(Display Board) पर विद्यार्थियों से लिखवाया
जाता है जिससे कि उनमें कर्तव्य बोध और
सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण हो सके
वे अपने जीवन के भावी लक्ष्यों को प्राप्त
करते हुए भारत की उन्नति प्रगति में
योगदान दे सके। आत्मनिर्भर हो सके।
एक अच्छे नागरिक बनके समाज उद्धार
और कल्याण के कार्य करने में सक्षम
हो सके।

दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान
तुलसी दया न छोड़िये जब तक घट में प्राण

कवि : तुलसीदास

अर्थ :- तुलसी जी कहते हैं कि दया धर्म भावना से निकलती है लेकिन घमंड केवल पाप को जन्म देता है। इसलिए जब तक हमारे शरीर में प्राण हैं तब तक हमें अपनी दया भावना नही छोड़नी चाहिए।

शिक्षा :- हमें घमंडी नही दयालु स्वभाव के बनना चाहिए।

शब्द समूह के लिए एक शब्द

अण्डे से जन्म लेने वाला – अण्डज

अपने देश से दूसरे देश में सामान जाना - निर्यात

अवसर के अनुसार बदल जाने वाला –अवसरवादी

[illegible]